# "आत्मनिर्भर भारत" के लिए प्रतिबद्ध बीएचईएल को फ्रंटलाइन जहाजों की उन्नत मेन गन का आदेश प्राप्त

**नई दिल्ली; 28 सितंबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) 'मेक इन इंडिया' अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने तथा रक्षा उपकरणों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। इसी दिशा में एक प्रयास के रूप मे बीएचईएल ने भारतीय नौसेना के अधिकांश युद्धपोतों में प्रयुक्त मुख्य गन; उन्नत सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) की आपूर्ति के लिए गोवा शिपयार्ड से पहला आदेश प्राप्त किया है।**

**इस आदेश में भारतीय नौसेना के ट्राईपुट श्रेणी युद्धपोतों के सहायक उपस्कर तथा अपग्रेडेड एसआरजीएम सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का कार्य शामिल है। इसका विनिर्माण बीएचईएल की हरिद्वार इकाई द्वारा किया जाएगा।**

**उन्नत एसआरजीएम एक अत्याधुनिक हथियार प्रणाली है जिसमें कुछ नई विशेषताएं हैं जैसे किसी तीव्र, स्थिर एवं गतिमान, रेडियो नियंत्रित लक्ष्य को भेदने के लिए विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद के स्वयं प्रबंधन की क्षमता। उन्नत एसआरजीएम में प्रोग्राम्ड गोला बारूद तथा उच्च रेंज वाले आधुनिक गोला बारूद को फायर करने की क्षमता है।**

**बीएचईएल पिछले तीन दशकों से उपकरणों और सेवाओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। बीएचईएल रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है।**

**इसके लिए, बीएचईएल ने अपने विनिर्माण संयंत्रों में विभिन्न उत्पादों एवं घटकों के उत्पादन, स्थापना एवं कमीशनिंग तथा लाइफ साइकल सपोर्ट के लिए समर्पित, आधुनिक विनिर्माण एवं निरीक्षण सुविधाएं स्थापित की हैं। बीएचईएल की यह पहल भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति प्रदान करेगी।**

---